# नोएडा के खाते में जुड़ी एक और उपलब्धि

## यहां के माता प्रसाद को मिला पद्म भूषण, बुधवार शाम को एक मित्र से फोन पर मिली सूचना

अमर उजाला ब्यूरो

**नोएडा।** प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव व संघ लोक सेवा आयोग के चेयरमैन माता प्रसाद (सेवानिवृत्त आईएएस) को बुधवार पद्म भूषण से सम्मान दिए जाने की घोषणा की गई। इसकी सूचना उन्हें उनकेमित्र से फोन पर मिली। अचानक मिली इस सूचना से पहले वे चौंके। कुछ पल केलिए भरोसा नहीं हुआ। उन्होंने मित्र से कहा, कि कोई और माता प्रसाद हो सकता है, मगर उसके बाद बधाई संदेश आने का जब सिलसिला शुरू हो गया, तब उन्हें यकीन हो गया।

अमर उजाला से विशेष बातचीत में माता प्रसाद ने अपनी इस खुशी का इजहार किया। वे सिर्फ इतना कह सके कि उन्हें उनकी सर्विस के प्रति निष्ठा और सेवाभाव ने यह सम्मान दिलाया है। यह सम्मान दिलाने में सहयोग देने वालों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए माता प्रसाद ने कहा कि सर्विस में रहते हुए उन्होंने समाज के लिए जो कुछ किया, उसमें अकेले उनका ही योगदान नहीं है, बल्कि सभी केसहयोग से हो सका है। यह सम्मान उन सभी को मिला है।

हरैया कस्बे (बस्ती) में पांच जनवरी 1940 को बेहद साधारण परिवार में जन्मे माता प्रसाद ने हरैया से इंटरमीडिएट तक की शिक्षा प्राप्त की और आगे की पढ़ाई करने इलाहाबाद चले गए। वहीं, सिविल तैयारी करने लगे और 1962 में उनका भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन हुआ। बरेली में सहायक मजिस्ट्रेट केपद पर उनकी पहली नियुक्ति हुई। इसकेबाद नैनीताल में एसडीएम, महोबा, ऊधम सिंह नगर, अल्मोड़ा, लखीमपुर, बरेली, आगरा के डीएम के पदों पर तैनाती हुई। माता प्रसाद ने सीमेंट कारपोरेशन के एमडी, केन्द्रीय सचिव, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश और यूपीएससी के चेयरमैन समेत कई अहम जिम्मेदारी संभाला। सातवीं पंचवर्षीय योजना में प्रदेश का जिम्मा संभाल चुके हैं। किसानों को खेती की सिंचाई के लिए मुफ्त में बोरिंग कराना, ग्रामीण विद्युतीकरण और कई अन्य पावर प्रोजेक्ट को पूरा कराने इनका अहम योगदान है। यूपीएससी का चेयरमैन रहते हुए माता प्रसाद ने आईएएस परीक्षाओं के अंतिम रिजल्ट में प्रारंभिक परीक्षा के अंकों को जोड़ने और योग्यता परीक्षण को शामिल करने का श्रेय भी इनको ही जाता है।

- कहा, पद के प्रति निष्ठा व सेवा भाव से मिला सम्मान
- सम्मान मिलने के बाद बधाई संदेश आने शुरू हो गए
- सम्मान दिलाने में सहयोग करने वालों का आभार जताया